SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 08 सितंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 342

महत्वपूर्ण एवं खास

मणिपुर में पूर्व सीएम के घर रॉकेट बम से हमला, 1 की मौत

इंफाल (आरएनएस)। मणिपुर से बड़ी खबर सामने आई है। पूर्व मुख्यमंत्री मैरेम्बम कोइरेंग के घर पर कुकी उग्रवादियों ने रॉकेट बम से हमला किया। हमले में 1 बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। कांग्रेस नेता मैरेम्बम कोइरेंग राज्य के पहले मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वे 1963 से 1967, 1967 में 200 दिन और 1968 में 3 बार मणिपुर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उनका निधन 27 दिसंबर 1994 को हो चुका है। हमले के बाद मोबाइल फोरेंसिक यूनिट, डीएफएस, मणिपुर की एक टीम ने बिष्णुपुर जिले के मोइरांग में रॉकेट हमले के बाद सबूत इक_ किए। अब तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि जिस रॉकेट से हमला किया गया है। वह कहां बना था और कैसे हमलावरों तक पहुंचा। विस्फोट में 13 वर्षीय लडक़ी सहित पांच अन्य घायल हो गए। यह रॉकेट आईएनए मुख्यालय से लगभग दो किलोमीटर दूर एक स्थान पर गिरा।

दर्दनाक हादसा: धार्मिक यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार को ट्रक ने मारी टक्कर, चार लोगों की मौत

विदिशा (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले के लटेरी के पास आज तडक़े ट्रक की टक्कर से कार सवार चार श्रद्धालुओँ की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार राजस्थान के झालावाड़ क्षेत्र के यात्री एक कार से उत्तर भारत से धार्मिक यात्रा से लौट रहे थे। तडक़े लटेरी के पास उनकी कार को ट्रक ने टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में कार सवार चार यात्रियों की मृत्यु हो गयी और छह अन्य घायल हो गए। घायलों को लटेरी के अस्पताल में भर्ती कराया गया। यात्रियों के नाम पता किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि शवों को कार से काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। हादसे के संबंध में प्रभावित यात्रियों को सूचना दे दी गयी है। कार को टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

महिला को जबरन शराब पिलाकर बीच सड़क पर ही किया रेप, शख्स बनाता रहा वीडियो

भोपाल (आरएनएस)। उज्जैन के आगर नाका क्षेत्र में कबाड़ बीनने वाली एक महिला को जबरन शराब पिलाकर सरेराह उससे कथित तौर पर बलात्कार करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने शहर के कोयला फाटक चौराहे के फुटपाथ पर महिला के साथ सरेआम रेप किया। किसी ने इस वारदात का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो अब वायरल हो गया है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति कबाड़ बीनने वाली महिला को शराब पिलाकर उसके साथ जबरन बलात्कार करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। आरोपी लोकेश घटना को अंजाम देकर वहां से फरार हो गया। रेप की वारदात का वीडियो बनाने वाले शख्स को पुलिस ने नागदा से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहम्मद सलीम के तौर पर हुई है। एसपी ने कहा, आरोपी सलीम ने वॉट्सऐप ग्रुप्स पर वीडियो शेयर किया है। जिन लोगों ने वीडियो को वायरल किया, उन सभी पर आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

आईआईटी बॉम्बे को अनुसंधान एवं विकास के लिए मिला 700 करोड़ रुपए का फंड

नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे ने 2023-24 में अनुसंधान और विकास के लिए वार्षिक अनुदान के रूप में रिकॉर्ड 700 करोड़ रुपये हासिल किए हैं।पिछले तीन वर्षों में प्राप्त यह सबसे अधिक धनराशि है। 2022-23 में संस्थान को 576 करोड़ रुपये और 2021-22 में 502 करोड़ रुपये मिले थे। आरएंडडी फंड सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों से प्राप्त राशि का संयोजन है। निजी एजेंसियों से प्राप्त धन अनुदान राशि का 35 प्रतिशत होता है, जबकि शेष सरकारी एजेंसियों द्वारा दिया जाता है।

संस्थान ने एक बयान में कहा, आईआईटी बॉम्बे ने अपने अनुसंधान एवं विकास को तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ जोडऩे के लिए ठोस प्रयास किए हैं। संस्थान ने विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों के शोधकर्ताओं को शामिल करते हुए जटिल समस्याओं को समग्र तरीके से हल करने के लिए कई बड़े बहु-विषयक अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं।

इसमें कहा गया कि छात्र और संकाय सदस्य विज्ञान, इंजीनियरिंग, डिजाइन, प्रबंधन और मानविकी के सभी क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाएं संचालित करते हैं।

संस्थान ने बताया, विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, डिजाइन और सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में हर साल नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की जाती हैं, जिनमें अल्पकालिक परामर्श और दीर्घकालिक प्रायोजित अनुसंधान दोनों शामिल हैं। परियोजनाओं की अवधि आम तौर पर 2-5 साल तक होती है।

आईआईटी बॉम्बे इस अनुदान का उपयोग तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा महाराष्ट्र ड्रोन मिशन जैसी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए करेगा। स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने और ड्रोन प्रौद्योगिकी में महाराष्ट्र को वर्ल्ड लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए, विभाग ने 151.8 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक परियोजना को वित्त पोषित किया।

संस्थान वस्त्र मंत्रालय के लिए एक परियोजना वस्त्र-आधारित कंपोजिट का उपयोग करके हाइड्रोजन प्रेशर वेसल निर्माण का विकास करने के लिए भी काम कर रही है।

आईआईटी-बॉम्बे ने विश्व स्तरीय संस्थानों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में यह दुनिया के शीर्ष 150 विश्वविद्यालयों में शामिल है। हाल ही में जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क रैंकिंग में भी आईआईटी-बॉम्बे शीर्ष तीन में शामिल है।

संस्थान ने कहा, विभिन्न सरकारी क्षेत्रों, उद्योग और समाज के लिए व्यवहार्य समाधान प्रस्तुत करने के अलावा, आईआईटी बॉम्बे बुनियादी अनुसंधान को आगे बढ़ाता है जिससे ज्ञान सृजन होता है और भारत को तकनीकी रूप से आश्वस्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में सशक्त बनाने की नींव रखता है।

मैक्स वाहन और रोडवेज बस में टक्कर, 15 की मौत

तेरहवीं से लौट रहा था परिवार

हाथरस | आरएनएस

हाथरस में आगरा-अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर मैक्स वाहन और अलीगढ़ डिपो की रोडवेज बस की टक्कर हो गई। हादसे में एक ही परिवार के 15 लोगों की मौत हो गई?जबकि 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 4 बच्चे, 4 महिलाएं और 7 पुरुष हैं। सभी आगरा के रहने वाले हैं। हादसे में घायल आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र के सेंगरा निवासी शबाना ने बताया कि वह सासनी क्षेत्र के मुकंद खेरा गांव में अपनी ननद की ददिया सास की तेरहवीं में शामिल होकर अपने गांव लौट रही थी। शबाना के मुताबिक, मैक्स में करीब 35 लोग सवार थे। मौके पर डीएम आशीष कुमार और एसपी निपुण अग्रवाल पहुंचे हैं। अधिकारियों ने हादसे के बारे में जानकारी ली। साथ ही गंभीर घायलों को उपचार के लिए अलीगढ़ रेफर कर दिया है। पुलिस-प्रशासन राहत बचाव में जुटा है।

लखनऊ में ढही तीन मंजिला इमारत, 4 की मौत, कई लोगों के दबे होने की आशंका

लखनऊ | आरएनएस

शहर के ट्रांसपोर्ट नगर में मौजूद एक बिल्डिंग अचानक से गिर गई। है। बिल्डिंग गिरते ही पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गई। जानकारी के अनुसार इस बिल्डिंग में कई दवा कंपनियों के गोदाम भी मौजूद थे। बिल्डिंग के मलबे में कई लोगों के फंसने की भी आशंका जताई जा रही है, वहीं इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है।

जानकारी के अनुसार शहीद पथ से चंद कदम दूर स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में एक बिल्डिंग अचानक से भर भराकर गिर गई। माना जा रहा है कि बिल्डिंग के आसपास काफी तादाद में पानी भरा है। पानी भरे रहने के कारण बिल्डिंग की नींव कमजोर पड़ गई। बिल्डिंग का रखरखाव भी लंबे समय से नहीं हो रहा था। इस वजह से बिल्डिंग गिरी है। बिल्डिंग गिरने के बाद आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। फिलहाल राहत बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम को सूचना दे दी गई है। जल्द ही राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

वहीं हादसे की खबर मिलते ही डीएम और नगर आयुक्त मौके पर पहुंचे हैं। फिलहाल फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मलबे में फंसे लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। उधर सीएम योगी ने भी हादसे का संज्ञान लिया है। सीएम योगी ने पुलिस-प्रशासन के अफसरों को मौके पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

कोलकाता कांड के बाद बंगाल में फिर शर्मनाक घटना, नाबालिग के साथ दरिंदगी; बेहोशी में सड़क पर फेंका

हुगली | आरएनएस

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में शुक्रवार रात एक 15 वर्षीय लडक़ी के साथ हुई बर्बरता ने राज्य में महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, लडक़ी को बेहोशी की हालत में सडक़ किनारे फेंक दिया गया था। घटना के समय वह अपनी ट्यूशन क्लास से लौट रही थी और उसे कथित रूप से एक कार में अगवा किया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, लडक़ी हरिपाल इलाके में बेहोशी की स्थिति में पाई गई, जहां उसके कपड़े फटे हुए थे। स्थानीय अस्पताल में उसका इलाज किया गया और मेडिकल जांच की गई। पश्चिम बंगाल पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है, लेकिन फिलहाल कोई संदिग्ध नहीं है और जांच के दौरान कोई ठोस सुराग प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस ने जनता से अनुरोध किया है कि लडक़ी और उसके परिवार की गोपनीयता का सम्मान करें और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक नया विवाद उत्पन्न किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया है कि पुलिस घटना को छुपाने की कोशिश कर रही है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, ममता बनर्जी की पुलिस ने अस्पताल को घेर लिया है, मीडिया को प्रवेश नहीं दिया जा रहा और स्थानीय टीएमसी नेता स्थिति को नियंत्रित कर रहे हैं, ताकि घटना की रिपोर्ट न हो सके। मालवीय ने ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की और राज्य को महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित स्थान करार दिया। उन्होंने ट्वीट किया, ममता बनर्जी विफल हो चुकी हैं। उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। बहुत हो चुका है। उन्होंने बलात्कार और पॉक्सो मामलों को सुलझाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट भी नहीं बनाए हैं।

इसके साथ ही, कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या का मामला भी जनाक्रोश का कारण बन रहा है। 9 अगस्त को अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक ट्रेनी डॉक्टर की अर्धनग्न लाश पाई गई थी। इस मामले में कोलकाता पुलिस ने एक सिविक वॉलेंटियर संजय रॉय को एक दिन बाद गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इस मामले की जांच कर रहा है।

2,200 करोड़ के ऑनलाइन स्कैम मामले में एक और गिरफ्तार

पुलिस कर रही एक्ट्रेस सुमी बोरा की तलाश

गुवाहाटी | आरएनएस

असम पुलिस ने शनिवार को 2,200 करोड़ रुपये के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाला मामले में एक और गिरफ्तारी की है। पुलिस ने जोरहाट जिले के टिटाबोर इलाके से एक और शख्स को गिरफ्तार किया है, जो ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में कथित तौर पर शामिल है।

अधिकारियों ने शनिवार को गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि शख्स की पहचान अविनाश परधिया के रूप में हुई है। उसे टिटाबोर शहर के बोरहोला इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह व्यक्ति की गिरफ्तारी उसके घर से की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अविनाश परधिया अपने घर से ट्यूशन सेंटर चलाता है और वह गुड लक ट्यूटर सेंटर प्राइवेट लिमिटेड की आड़ में ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाला चला रहा था।

पुलिस ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए शख्स ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिए लोगों को अधिक रिटर्न देने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी की है। इससे पहले असम पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले के मामले में राज्य में छापा मारकर 38 लोगों को गिरफ्तार किया था।

इस मामले के दो मुख्य आरोपी विशाल फुकन और स्वप्निल दास को पहले ही गिरफ्तार जा चुका है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें सात दिनों के लिए पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

पुलिस को आशंका है कि विशाल फुकन और स्वप्निल दास ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिए काफी लोगों को ठगा है, ये राशि लगभग 2,200 करोड़ रुपए के आसपास है।

पुलिस के मुताबिक, विशाल फुकन ने लोगों को लुभाने के लिए अपनी आलीशान लाइफस्टाइल का दिखावा किया। इसके बाद उसने निवेशकों को 60 दिनों के दौरान 30 फीसदी रिटर्न का वादा किया था। उसने निवेशकों से मिले इन पैसों का इस्तेमाल असम की फिल्मों और घरों को खरीदने के लिए किया।

इस मामले में असम पुलिस ने डिब्रूगढ़ में उसके आवास पर छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने घोटाले से जुड़े करोड़ों रुपये के दस्तावेज बरामद किए।

इस बीच, पुलिस को असम की कोरियोग्राफर और एक्ट्रेस सुमी बोरा की तलाश है, जो फुकन के नेटवर्क से जुड़ी हुई बताई जा रही है। आरोप है कि फुकन ने राजस्थान के उदयपुर में हुई सुमी बोरा की शादी में करोड़ों रुपये खर्च किए थे। एक्ट्रेस का पति भी पुलिस की जांच के घेरे में है और वो भी फरार बताया जा रहा है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, पांच की मौत; कई घायल

इंफाल | आरएनएस

मणिपुर में हालात फिर से बिगडऩे लगे हैं। शनिवार को जिरीबाम जिले में हिंसा हुई जिसमें पांच लोगों की मौत हो गईजबकि कई गंभीर रूप से घायल हो गए।हथियारबंद लोगों ने कुकी समुदाय पर हमला किया और जवाबी कार्रवाई में जमकर फायरिंग हुई और पांच लोग मारे गए। हिंसा की ताजा घटना दक्षिणी असम से सटे जिरीबाम जिले के सेरौ, मोलजोल, रशीदपुर और नुंगचप्पी गांवों में हुई।

सुरक्षाबलों ने चुराचांदपुर जिले के मुआलसांग गांव में दो बंकर और चुराचांदपुर के लाइका मुआलसौ गांव में एक बंकर नष्ट किए हैं। उग्रवादियों ने बिष्णुपुर जिले के दो स्थानों पर नागरिक आबादी में रॉकेट दागे थे, जिनमें से एक वरिष्ठ नागरिक की मौत हो गई और छह अन्य नागरिक घायल हो गए। इसके बाद पुलिस टीमों और अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने आसपास की पहाडिय़ों में तलाशी अभियान चलाया।

इससे पहले मणिपुर के बिष्णुपुर और इंफाल पूर्वी जिले के इलाकों में लोगों ने कई ड्रोन देखे जाने के बाद अपनी घरों की लाइट बंद कर दी। बता दें कि हाल में ही इंफाल पश्चिम जिले में दो स्थानों पर लोगों पर बम गिराने के लिए ड्रोन का प्रयोग किया गया था।

कन्हैयालाल हत्याकांड मामले का आरोपी जावेद जेल से रिहा

अजमेर | आरएनएस

उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में सहआरोपी जावेद जेल से बाहर आ गया है। शनिवार सुबह उसे अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से जमानत पर रिहा कर दिया गया।

जावेद मुंह छुपाते हुए जेल से बाहर आया और अपने भाई मोहम्मद शमशेर के साथ कार में बैठकर रवाना हो गया। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने 5 सितंबर को मामले की सुनवाई की थी। उसे 2 लाख रुपये के जमानत मुचलके और 1 लाख रुपए की राशि पर जमानत की मंजूरी मिली। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने जावेद को रिहा करने का आदेश दिया।

जावेद पर आरोप था कि उसने मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर कन्हैयालाल की हत्या की साजिश रची थी, लेकिन हाईकोर्ट ने साक्ष्यों और सुनवाई के आधार पर उसकी जमानत याचिका मंजूर कर ली। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि जावेद के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं है। इसलिए उसे हिरासत में रखना जरूरी नहीं है।

बता दें कि 28 जून 2022 को उदयपुर में कन्हैयालाल साहू की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। गौस मोहम्मद और मोहम्मद रियाज ने इस घटना को अंजाम दिया था। आरोपियों ने इस हत्याकांड का वीडियो भी बनाया था। इस घटना के कुछ दिन बाद ही राजस्थान पुलिस ने दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

वहीं जावेद पर हत्याकांड में मोहम्मद रियाज और गौस मोहम्मद के साथ शामिल होने का आरोप है। जावेद पर आरोप है कि उसने कॉल पर कन्हैयालाल के बारे में सूचना थी। उसने हत्याकांड के दोनों मुख्य आरोपियों को बताया था कि कन्हैया लाल अपनी दुकान में मौजूद है।

जावेद के वकील का कहना है कि उसके ऊपर लगा आरोप निराधार है। उसे केवल कॉल डिटेल के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने ऐसे कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किए जिससे यह साबित होता हो कि जावेद उस दिन घटनास्थल पर मौजूद था या उसने ही मुख्य आरोपियों को कन्हैयालाल के बारे में सूचना दी होगी।

आरजी कर वित्तीय घोटाला : वेंडर ने ठेके हासिल करने के लिए बनाई कई कंपनियां

कोलकाता | आरएनएस

कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं को आगे बढ़ाने के लिए ठेकेदारों ने कई व्यावसायिक संस्थाएं बना ली थीं। अस्पताल में चिकित्सा और गैर-चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति और रखरखाव से संबंधित काम के लिए ठेके लेने वाले ठेकेदार बिप्लब सिन्हा फिलहाल पुलिस की हिरासत में हैं।सिन्हा पहले से ही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में हैं। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी जांच कर रही है।

प्रवर्तन निदेशालय ने रिपोर्ट (ईसीआईआर) दाखिल करने के बाद मामले में धन शोधन के पहलू से जांच शुरू की है, उन्होंने तीन ऐसी संस्थाओं के कागजात का पता लगाया है, जो सिन्हा द्वारा गठित किए गए और उनके स्वामित्व में हैं। इससे पता चला कि सिन्हा आरजी कर प्राधिकारियों द्वारा जारी निविदाओं की बोलियों में नियमित भागीदार थे।

सूत्रों ने बताया कि कागजी कार्रवाई के अनुसार, निविदा बोलियां लगाते समय इन कंपनियों का बहुत प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया, जहां उन्होंने कम से लेकर अधिक तक तीन अलग-अलग बोलियां लगाई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी को ही निविदा दी जाए। बोली लगाए जाने में तीन संस्थाएं मां तारा ट्रेडर्स, बाबा लोकनाथ एंटरप्राइजेज और तियाशा एंटरप्राइजेज हैं।

सीबीआई ने कोलकाता की एक विशेष अदालत में पहले ही दावा किया है कि सिन्हा और अन्य गिरफ्तार वेंडर सुमन हाजरा, आरजी कार के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी और विश्वासपात्र थे, जो अभी सीबीआई की हिरासत में है।

शुक्रवार को ईडी अधिकारियों ने इस मामले में सिन्हा के आवास सहित विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की और तलाशी अभियान चलाया, जहां से जांच अधिकारियों ने उनके स्वामित्व वाली इन तीन व्यावसायिक संस्थाओं से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज हासिल किए।

ईडी के अधिकारी संदीप घोष द्वारा अर्जित आय से अधिक संपत्ति मामले की भी जांच कर रहे हैं। जबकि सीबीआई ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल पीठ के आदेश के बाद मामले की जांच का कार्यभार संभाला और ईडी ने ईसीआईआर दायर करके मामले में स्वत: संज्ञान लिया।